TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

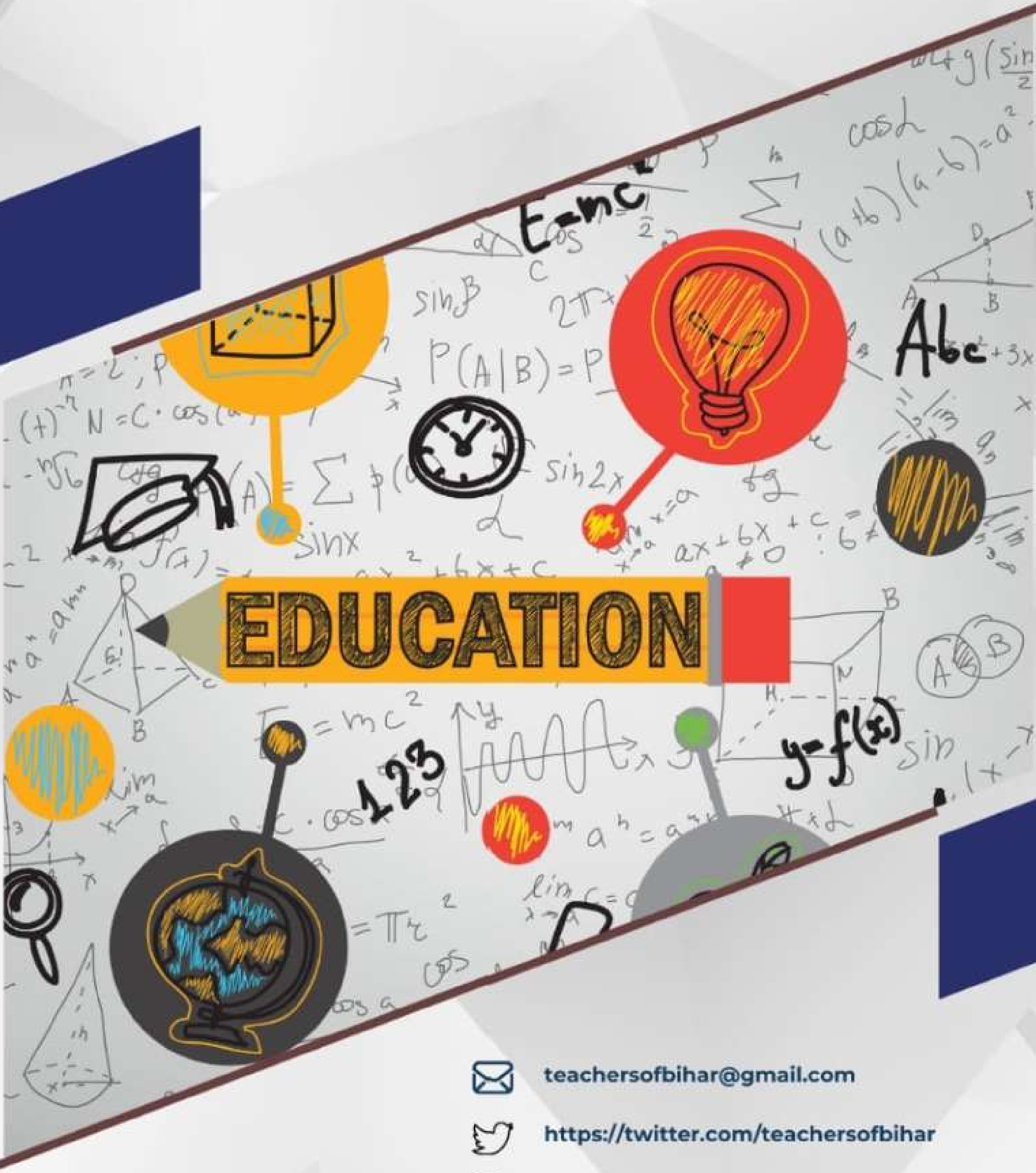

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

2024

22 नवंबर 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

जो बात सिद्धांत में गलत है वह बात व्यवहार में भी सही नहीं है।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

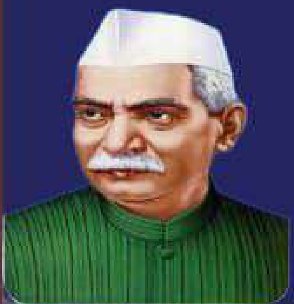

राकेश कुमार

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

22 नवम्बर

1. 1997– भारत की डायना हेडेन विश्व सुदरी बनी।
2. 1968– मद्रास का नाम बदलकर तमिलनाडु करने के प्रस्ताव को स्वीकृति मिली।
3. 1864– भारत की पहली महिला चिकित्सक रुक्माबाई का जन्म हुआ।
4. 1517 ई.– सिकंदर लोदी की मृत्यु के बाद उसका पुत्र इब्राहीम लोदी दिल्ली का शासक बना।

F r i d a y

जयंती पर नमन

भारत की पहली महिला चिकित्सक

रुखमाबाई राउत

22 नवंबर 1864-25 सितंबर 1955

1857 की महान वीरांगना

झलकारी बाई

22 नवंबर 1830-4 अप्रैल 1858

Madhu priya

मधु प्रिया

रुखमाबाई का जन्म 22 नवम्बर

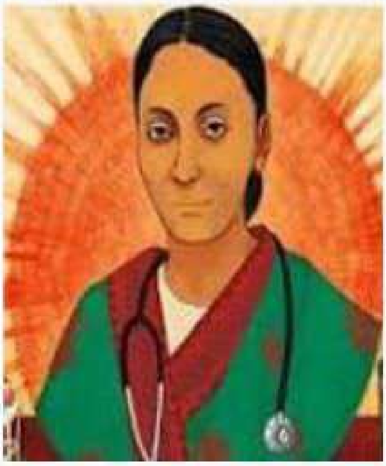

रुखमाबाई का जन्म 22 नवम्बर 1864 को हुआ था। जब वह केवल ग्यारह वर्ष की थीं तभी उनकी उन्नीस वर्षीय दुल्हे दादाजी भिकाजी से उनका विवाह कर दिय गया था। वह हालांकि अपनी विधवा माता जयंतीबाई के घर में रहती रही, जिन्होंने तब सहायक सर्जन सखाराम अर्जुन से विवाह किया। जब दादाजी और उनके परिवार ने रूखमाबाई को अपने घर जाने के लिए कहा, तो उन्होंने इनकार कर दिया और उनके सौतेले-पिता ने उसके इस निर्णय का समर्थन किया। इसने 1884 से अदालत के मामलों की एक लंबी श्रृंखला चली, बाल विवाह और महिलाओं के अधिकारों पर एक बड़ी सार्वजनिक चर्चा हुई। रूखमाबाई ने इस दौरान अपनी पढ़ाई जारी रखी और एक हिंदू महिला के नाम पर एक अख़बार को पत्र लिखे। उसके इस मामले में कई लोगों का समर्थन प्राप्त हुआ और जब उस ने अपनी डाक्टरी की पढ़ाई की इच्छा व्यक्त की तो लंदन स्कूल ऑफ़ मेडिसन में भेजने और पढ़ाई के लिए एक फंड तैयार किया गया। उसने स्नातक की उपाधि प्राप्त की और भारत की पहली महिला डॉक्टरों में से एक (आनंदीबाई जोशी के बाद) बनकर 1895 में भारत लौटी, और सूरत में एक महिला अस्पताल में काम करने लगी। आज के युग में अगर महिलाएं अपने अधिकारों का इस्तेमाल सही ढंग से कर पा रही हैं तो ये डा. रुखमाबाई राउत की देन हैं। डा. रुखमाबाई राउत भारत की पहली स्त्री थी जिन्होंने अपनी चिकित्सा से कई लोगों को दूसरा जीवन दिया है।जिसके बाद दादाजी ने शादी को भंग करने के लिए एक मुद्रा के रूप में मौद्रिक मुआवजा स्वीकार करके समझौता कर लिया। जिसकी वजह से रूखमाबाई को जेल जाने से बचा लिया गया।जिसके बाद रूखमाबाई ने मेडिकल जगत में अपना 35 साल का सफल योगदान दिया। इतना ही नहीं रूखमाबाई ने बाल विवाह के खिलाफ भी बहुत कुछ लिखते हुए समाज सुधार का काम भी किया। रुखमाबाई एक सक्रिय सामाज सुधारक थीं। उनकी मौत 25 सितंबर, 1991 में 91 वर्ष की आयु में हुई।

झलकारी बाई *Jhalkari Bai*, जन्म: 22 नवंबर 1830 - मृत्यु: 1890) झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई की नियमित सेना में, महिला शाखा 'दुर्गा दल' की सेनापति थीं। वे लक्ष्मीबाई की हमशक्ल भी थीं इस कारण शत्रु को धोखा देने के लिए वे रानी के वेश में भी युद्ध करती थीं।

Teachers of Bihar

The Change Makers

राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 22.11.2024

संरचित शिक्षण

संरचित शिक्षण एक दृश्य आधारित दृष्टिकोण है जो अत्यधिक संरचित वातावरण बनाने के लिए है जो विभिन्न शैक्षिक, सामुदायिक और घर या रहने की स्थितियों में ऑटिज़्म से पीड़ित बच्चों और युवाओं का समर्थन करता है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

उत्तर प्रदेश भारत का सबसे ज्यादा एयरपोर्ट वाला राज्य बन गया है यहां नेशनल और इंटरनेशनल एयरपोर्ट की कुल संख्या 19 तक पहुंच गई है।

स्रोत:
दैनिक भास्कर

TOB

राकेश कुमार

खेल कॉर्नर

हॉकी

भारत ने महिला एशियन हॉकी चैंपियनशिप का फाइनल जीता: चीन को 1-0 से हराया, दीपिका का गोल डिसाइडर बना; तीसरी बार ट्रॉफी जीती

आयोजन स्थल: राजगीर स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स (बिहार)

बिहार के राजगीर में हुई महिला एशियन हॉकी चैंपियनशिप ट्रॉफी पर भारत ने कब्जा जमा लिया है। टीम इंडिया ने चीन को 1-0 से हरा दिया है। तीसरे क्वार्टर के पहले मैच के 31वें मिनट में दीपिका ने टीम इंडिया के लिए पहला गोल किया, जिसने भारत को जीत दिलाई।

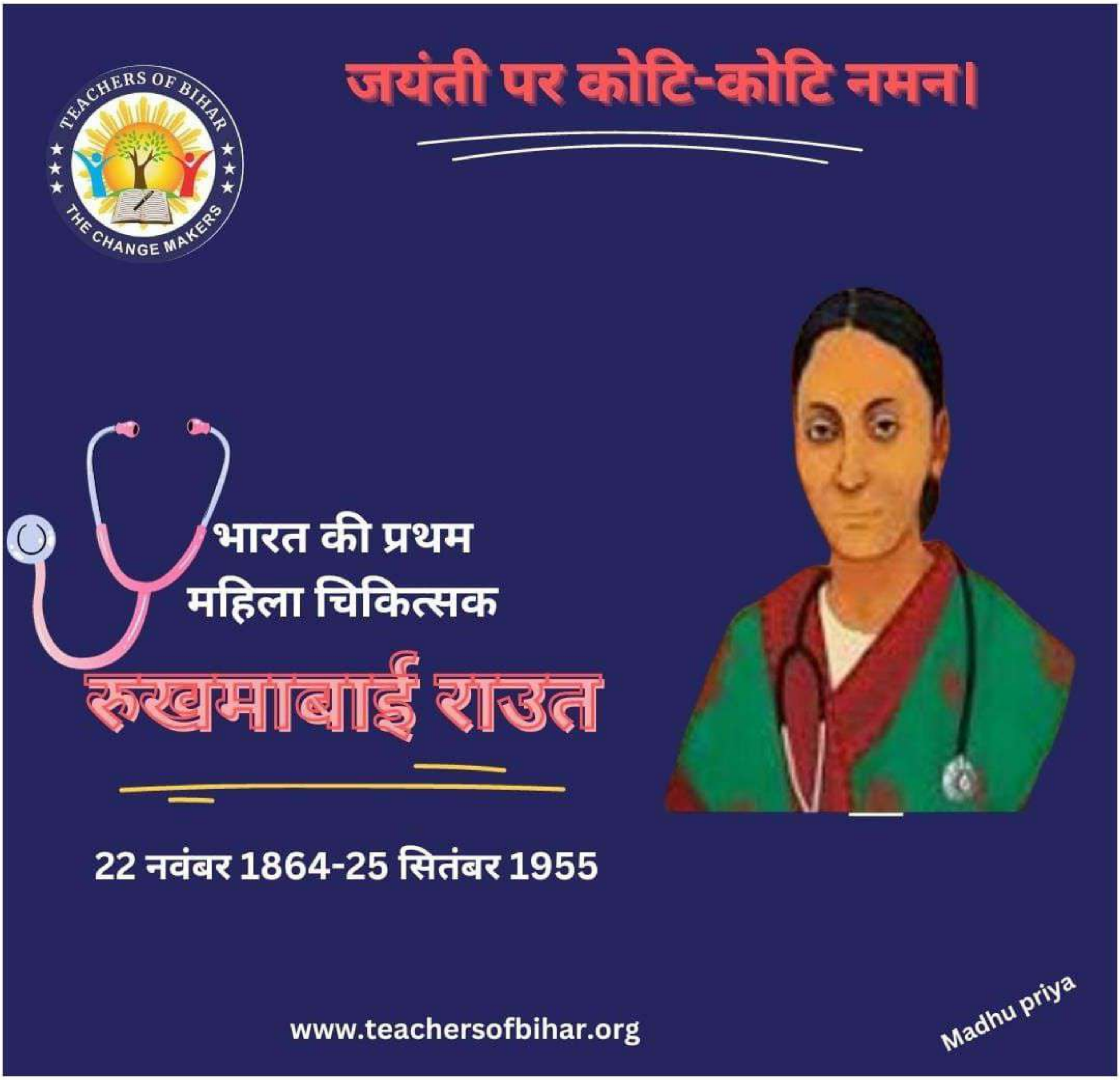
जयंती पर कोटि-कोटि नमन।
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
भारत की प्रथम
महिला चिकित्सक
रुखमाबाई राउत
22 नवंबर 1864-25 सितंबर 1955
www.teachersofbihar.org
Madhu priya

जयंती पर कोटि-कोटि नमन

रानी लक्ष्मीबाई की नियमित सेना में, महिला शाखा दुर्गा दल की सेनापति

झलकारी बाई

22 नवंबर 1830 - 4 अप्रैल 1857

www.teachersofbihar.org

Madhu priya